13. मिर्च का मज़ा

एक काबुलीवाले की कहते हैं लोग कहानी,
लाल मिर्च को देख गया भर उसके मुँह में पानी।

सोचा, क्या अच्छे दाने हैं, खाने से बल होगा,
यह ज़रूर इस मौसिम का कोई मीठा फल होगा।

एक चवन्नी फेंक और झोली अपनी फैलाकर,
कुँजड़िन से बोला बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर।

लाल-लाल, पतली छीमी हो चीज़ अगर खाने की,
तो हमको दो तोल छीमियाँ फ़कत चार आने की।

हाँ, यह तो सब खाते हैं – कुँजड़िन झट से बोली,
और सेर भर लाल मिर्च से भर दी उसकी झोली।

मगन हुआ काबुली फली का सौदा सस्ता पाके,
लगा चबाने मिर्च बैठकर नदी-किनारे जाके।
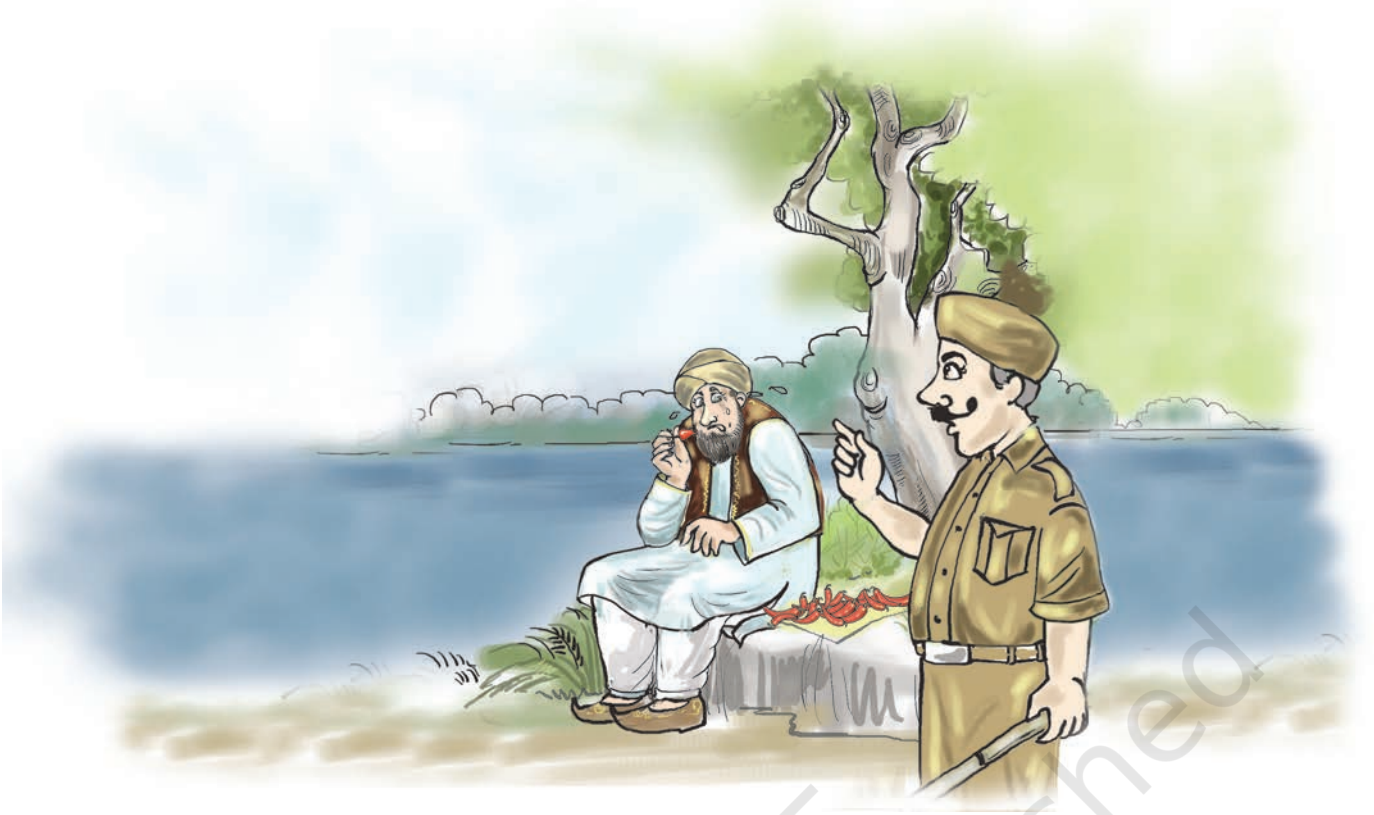
मगर, मिर्च ने तुरंत जीभ पर अपना ज़ोर दिखाया,
मुँह सारा जल उठा और आँखों में जल भर आया।

पर, काबुल का मर्द लाल छीमी से क्यों मुख मोड़े?
खर्च हुआ जिस पर उसको क्यों बिना सधाए छोड़े?

आँख पोंछते, दाँत पीसते, रोते और, रिसियाते,
वह खाता ही रहा मिर्च की छीमी को सिसियाते।

इतने में आ गया उधर से कोई एक सिपाही,
बोला – बेवकूफ़! क्या खाकर यों कर रहा तबाही?
कहा काबुली ने – मैं हूँ आदमी न ऐसा-वैसा।
जा तू अपनी राह सिपाही, मैं खाता हूँ पैसा!

रामधारीसिंह दिनकर

कैसे समझाओगे?

- काबुलीवाले को सब्ज़ी बेचने वाली की भाषा अच्छी तरह समझ नहीं आती थी। इसलिए उसे अपनी बात समझाने में बड़ी मुश्किल हुई। चलो, देखते हैं तुम अपनी बात बिना बोले अपने साथी को कैसे समझाते हो? नीचे लिखे वाक्य अलग-अलग पर्चियों में लिख लो। एक पर्ची उठाओ। अब यह बात तुम्हें अपने साथी को बिना कुछ बोले समझानी है—

  ✧ मुझे बहुत सर्दी लग रही है।

  ✧ बिल्ली दूध पी रही है, उसे भगाओ।

  ✧ मेरे दाँत में दर्द है।

  ✧ चलो, बाज़ार चलते हैं।

  ✧ अरे, ये तो बहुत कड़वा है।

  ✧ चोर उधर गया है, चलो उसे पकड़ें।

  ✧ पार्क में चलकर खेलेंगे।

  ✧ मुझे डर लग रहा है।

  ✧ उफ़! ये बदबू कहाँ से आ रही है?

  ✧ अहा! लगता है कहीं हलवा बना है।

सही सवाल

काबुलीवाले ने कहा – अगर ये लाल चीज़ खाने की है, तो मुझे भी दे दो।

सब्ज़ी बेचने वाली ने कहा – हाँ, ये तो सब खाते हैं। ले लो।

इस तरह बेचारा काबुलीवाला मिर्च खा बैठा। तुम्हारे हिसाब से काबुलीवाले को मिर्च देखने के बाद क्या पूछना चाहिए था?

जल या जल?

मुँह सारा जल उठा और आँखों में जल भर आया।
यहाँ जल शब्द को दो अर्थों में इस्तेमाल किया गया है।
जल – जलना
जल – पानी
इसी तरह नीचे दिए गए शब्दों के भी दो अर्थ हैं।
इन शब्दों का इस्तेमाल करते हुए एक-एक वाक्य बनाओ पर ध्यान रहे –

- वाक्य में वह शब्द दो बार आना चाहिए
- दोनों बार उस शब्द का मतलब अलग निकलना चाहिए। (जैसे ऊपर दिए गए वाक्य में जल)

  ✧ हार – ....
  ✧ आना – ....
  ✧ उत्तर – ....
  ✧ फल – ....
  ✧ मगर – ....
  ✧ पर – ....

छाँटो

कविता की वे पंक्तियाँ छाँटकर लिखो जिनसे पता चलता है कि

- काबुलीवाला कुछ शब्द अलग तरीके से बोलता था।
  ....
- काबुलीवाला कंजूस था।
  ....
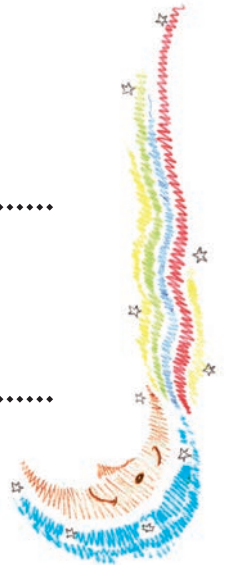
- मिर्च बहुत तीखी थी।

  ....

- काबुलीवाले को मिर्च के बारे में नहीं पता था।

  ....

- काबुलीवाले को 25 पैसे की मिर्च चाहिए थी।

  ....

चार आना

- चवन्नी मतलब चार आना।
  चार आना मतलब 25 पैसे।
  तो एक रुपए में कितने पैसे?

अब बताओ –
अठन्नी मतलब .... आने।
इकन्नी मतलब .... आना।
दुअन्नी मतलब .... आने।

तुम कैसे पूछोगे?

तुम बाज़ार गए। दुकानों में बहुत-सी चीज़ें रखी हैं। तुम्हें दूर से ही अपनी मनपसंद चीज़ का दाम पता करना है, पर तुम्हें उस चीज़ का नाम नहीं पता। अब दुकानदार से दाम कैसे पूछोगे?

बातचीत के लिए

- काबुलीवाले ने मिर्च को स्वादिष्ट फल क्यों समझ लिया?
- सब्ज़ी बेचने वाली ने क्या सोचकर उसे झोली भर मिर्च दी होगी?
- सारी मिर्चें खाने के बाद काबुलीवाले की क्या हालत हुई होगी?
- अगले दिन सब्ज़ी वाली टमाटर बेच रही थी। क्या काबुलीवाले ने टमाटर खाया होगा?

आगे-पीछे

कुंजड़िन से बोला बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर

इस पंक्ति को ऐसे भी लिख सकते हैं –

बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर कुंजड़िन से बोला।

अब इसी तरह इन पंक्तियों को फिर से लिखो –

- हमको दो तोल छीमियाँ फ़कत चार आने की।

  ....

- वह खाता ही रहा मिर्च की छीमी को सिसियाते।

  ....

- जा तू अपनी राह सिपाही, मैं खाता हूँ पैसा।

  ....

- एक काबुलीवाले की कहते हैं लोग कहानी।

  ....
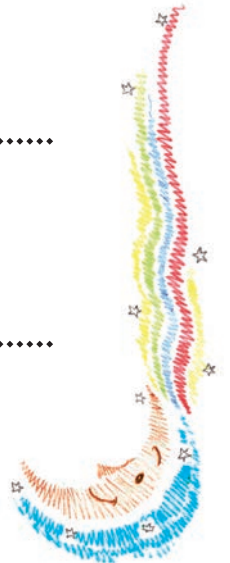
कविता करो

अपने मन से बनाकर एक कविता यहाँ लिखो।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

मुँह में पानी

- लाल-लाल मिर्च देखकर काबुलीवाले के मुँह में पानी आ गया। तुम्हारे मुँह में किन चीज़ों को देखकर या सोचकर पानी आ जाता है?

  ....

  ....